

नाम
अहमद
हुसैन को
में जारी है

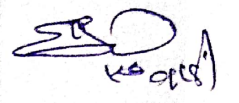
तारीख
हुसैन

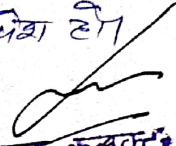
हुसैन या कार्यवाही मय इनिशियलस जज

नम्बर व तारीख
अहमद जो इस
हुसैन की तामील
में जारी हुए

22/3/22

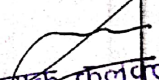
पत्रावली पेश हुई। अर्थात् उक्तपक्ष उक्त तहसील डायरी
उक्तपक्ष से कुदे रिपोर्ट किन forwarding letter के
पक्ष हुई है। उक्त कुदे रिपोर्ट तहसील डायरी को
वापस देनी बाकी। एवं forwarding letter के
साथ शीट इस न्यायालय को बिजवाई बाकी।
पत्रावली दिनांक 19/4/22 को पेश है।


22/3/22


सहायक कलक्टर
रुखीन (मरतपुर)


19/4/22

पत्रावली पेश हुई। अर्थात् उक्तपक्ष उक्त तहसील
डायरी उक्तपक्ष से कुदे रिपोर्ट पक्ष हुई जो
शाशिल पत्रावली की गई पत्रावली वापस जोर
कुदे रिपोर्ट दिनांक 26/4/22 को पेश है।


सहायक कलक्टर
रुखीन (मरतपुर)

22/4/22

पत्रावली पेश हुई। अर्थात् उक्तपक्ष उक्त
कुदे रिपोर्ट का अवलोकन किया गया जिस पर
दोनों अर्थात् ने अपनी सहजरी पारहितकी,
बाकी का वाद अतिरिक्त कुदे रिपोर्ट उक्तपक्ष
दिली किया जाना है। निम्न प्रत्येक से निष्कर्ष
वाकर शाशिल पत्रावली किया गया। पत्रावली
पत्रावली कुदे रिपोर्ट हेतु मरतपुर से कर होकर
दरखस्त अंतर है।


सहायक कलक्टर
रुखीन (मरतपुर)

न्यायालय सहायक कलक्टर उच्चैन(भरतपुर)

पीठासीन अधिकारी:- श्री राजीव शर्मा (आर.ए.एस)

वाद क्रमांक:- 99/2011

1. हेतराम पुत्र कन्हैया जाति जाटव निवासी भोंट
2. शेर सिंह | पुत्रान कन्हैया जातियान जाटव निवासी भोंट
नरपाल सिंह | तहसील उच्चैन जिला भरतपुर राज0

.....वादीगण



1. सुमित्रा पत्नी अमर सिंह
2. नरफेदी पत्नी अमर चन्द
3. सोनो पत्नी सोरन
4. वृहमा पत्नी महाराज सिंह
5. रमेश पुत्र सूपरिया
6. सौमोती वेवा कन्हैया
7. शान्ति वेवा चरन
8. रामहंस पुत्र नानिगा
9. गिराज पुत्र चरन
10. तारा चन्द पुत्र चरन
11. रविकुमार पुत्र चरन
12. भगवान सिंह पुत्र चरन
13. राजवीर पुत्र चरन
14. हर पांचू

समस्त जातियान जाटव निवासी भोंट तहसील उच्चैन
जिला भरतपुर राज0

15. अनीता देवी पत्नी मंगतू जाति खटीक निवासी राजेन्द्र नगर भरतपुर
16. अशोक कुमार पुत्र अमर सिंह जाति खटीक निवासी गौरी शंकर कोलौनी सारस चौराहा भरतपुर

.....प्रतिवादीगण

दावा बाबत विभाजन एवं स्थाई निषेधाज्ञा

उपरिस्थिति:-

1. श्री धर्मेन्द्र चौधरी एड0 - अभिभाषक वादी
2. श्री नरेन्द्रपाल सिंह एड0 - अभिभाषक प्रतिवादी

सहायक कलक्टर
उच्चैन (भरतपुर)

निर्णय

दिनांक 26.04.22

वादीगण के अभिभाषक ने यह वादपत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 53 व 188 के तहत पेश कर निवेदन किया है कि हम वादीगण एवं प्रतिवादीगण की सहखातेदारी की आराजी खसरा नं० 29/2.03, 34/2.11, 72/2.12 भिन० 1, 691/2.04 व 1012/1.11 कुल किता० 5 रकवा 11 बीघा 01 तिरवा बाके ग्राम भौट पटवार मण्डल भौट में स्थित है। उक्त आराजी का अभितक विभाजन नहीं हुआ है तथा सभी काश्तकार खातेदार मनबट के आधार पर अपने-अपने हिस्से का काबिज होकर काश्त करते चले आ रहे हैं। दिनांक 01.08.2011 को प्रतिवादीगण विवादित आराजी पर आ गये एवं एलानिया धमकी दी कि हमें उक्त आराजी का हम काश्त नहीं करने देंगे।

उक्त धमकी से व्यथित होकर वादीगण ने यह वादपत्र इस न्यायालय में पेश कर निवेदन किया है कि दावा वादीगण विरुद्ध प्रतिवादीगण निम्नानुसार डिक्री फरमाया जावे। यह घोषित फरमाया जावे कि वादपत्र की मद संख्या 1 में वर्णित आराजी का बाई मीटस एण्ड वाउन्ड्स विभाजन कर पृथक-पृथक कायम किया जावे एवं पृथक-पृथक राजस्व लगान का निर्धारण किया जावे।

वादीगण का वाद दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। दिनांक 05.10.2011 को प्रतिवादी संख्या 1 लगा० 5 एवं 7 लगा० 13 की ओर से श्री नरेन्द्रपाल एड० उपस्थित हुए एवं प्रतिवादी संख्या 6 स्वयं उपस्थित हुए। दिनांक 21.12.2011 को प्रतिवादी संख्या 15 व 16 की ओर से श्री जयप्रकाश शर्मा एड० उपस्थित हुए। दिनांक 14.02.2012 को वादी संख्या 2 व 3 एवं प्रतिवादी संख्या 1,2,4,5 ने न्यायालय में उपस्थित होकर राजीनामा पेश किया, राजीनामा तस्तीक किया गया एवं शामिल पत्रावली किया गया। दिनांक 01.03.2012 को वादीगण एवं प्रतिवादी संख्या 3 ने न्यायालय में उपस्थित होकर राजीनामा पेश किया। राजीनामा तस्तीक किया गया एवं शामिल पत्रावली किया गया। दिनांक 29.03.2012 को प्रतिवादी संख्या 7,8,9,11 व 13 ने न्यायालय में उपस्थित होकर राजीनामा पेश किया, राजीनामा तस्तीक किया गया एवं शामिल पत्रावली किया गया। दिनांक 26.07.2012 को वादी हेतराम ने पी०डब्ल्यू० 1 व प्रतिवादी रमेश के शपथ पत्र साक्ष्य हेतु पेश किए। दिनांक 12.04.2016 को उभयपक्ष की व्हस सुनी गई। मुताबिक राजीनामा दावा स्वीकार किया जाकर प्राथमिक डिक्री जारी की गई एवं नायब तहसीलदार उच्चैन से कुरे रिपोर्ट मंगवाई गई। दिनांक 19.04.2022 को तहसीलदार उच्चैन से कुरे रिपोर्ट प्राप्त, कुरे रिपोर्ट उभयपक्ष के अभिभाषक द्वारा सहमति प्रदान की गई।

अतः वादी का वाद मुताबिक कुरे रिपोर्ट अंतिम रूप से डिक्री किया जाता है। कुरे रिपोर्ट डिक्री का जुज रहेगी। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

राजीव शर्मा(आर०ए०एस०)

सहायक कलक्टर

उच्चैन